

M.A. (Part-II) Examination

HINDI

(Adhunik Gadya Sahitya)

Paper—II

समय : तीन घंटे]

[पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये : 3×10=30
- (क) फूल हँसते हुए आते हैं, फिर मकरंद गिराकर मुरझा जाते हैं, आँसू से धरणी को भिगोकर चले जाते हैं ! एक स्निग्ध समीर का झोका आता है, निश्वास फेंककर चला जाता है। क्या पृथ्वीतल रोने ही के लिए है ? नहीं, सबके लिए एक ही नियम तो नहीं। कोई रोने के लिए है तो कोई हँसने के लिए।
- (ख) इसलिए कि आज वह अपने को बिल्कुल बेसहारा समझता है। उसके मन में यह विश्वास बिठा दिया है तुमने कि सबकुछ होने पर भी उसके लिए जिन्दगी में तुम्हारे सिवा कोई चारा, कोई उपाय नहीं है। और ऐसा क्या इसीलिए नहीं किया तुमने कि जिन्दगी में और कुछ हासिल न हो तो कम से कम यह नामुराद मोहरा तो हाथ में बना ही रहे।
- (ग) इस बार तो देख लिया सबने कि जनता की एकता में बड़ा जोर है। तूफानी जोर। तूफान आता है तो बड़े-बड़े पेड़ों को जड़ सहित उखाड़ फेंकता है। जनता एक होती है तो बड़े-बड़े राज्य उलट देती है। फिका हुआ आदमी ही इस बात को सबसे ज्यादा महसूस करता है। कुर्सी पर बैठता है तो जनता में फूट डालो.... कुर्सी बचानी है तो जनता में फूट डालो। जनता की एकता-कुर्सी के लिए सबसे बड़ा खतरा है।
- (घ) अब वह यह मानने को तैयार है कि आदमी का दिल होता है, शरीर को चीड़-फाड़कर जिसे हम नहीं पा सकते हैं। वह 'हार्ट' नहीं वह अगम अगोचर जैसी चीज है, जिसमें दर्द होता है, लेकिन जिसकी दवा 'ऐड्रिलिन' नहीं। उस दर्द को मिटा दो, आदमी जानवर हो जाएगा।दिल वह मन्दिर है जिसमें आदमी के अंदर का देवता वास करता है।
- (च) जो जितना त्यागी है, निःस्वार्थ है और दलित है, राम का प्रेम उसके लिए उतना ही अधिक है। भरत और निषाद पर उनका प्रेम इसी कारण है। यह प्रेम पारिवारिक संबंधों पर ही निर्भर नहीं है, उसका आधार व्यापक सामाजिक संबंध हैं। समाज में चाहे दुःखी-दीनों और निःस्वार्थ सेवकों को कोई न पूछे, राम उन्हें पूछने वाले हैं।
- (छ) औरतों की भीड़ एक तरफ खड़ी है। उनकी बातों की ऊँची ध्वनियाँ सुनायी पड़ रही है। उनके खड़े होने में वही लचक है जो कनाटप्लेस में दिखाई पड़ती है। सभी के जूड़ों के स्टायल अलग-अलग हैं। मरदों की भीड़ से सिगरेट का धुआँ उठ-उठकर कुहरे में घुला जा रहा है और बात करती हुई औरतों के लाल-लाल होंठ और सफेद दाँत चमक रहे हैं और उनकी आँखों में एक गरूर है।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिये : 2×15=30
- (1) 'रंगमंथीयता' की दृष्टि से 'चन्द्रगुप्त' की समीक्षा कीजिये।
 - (2) 'अधे-अधूरे' के भाषा वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये।
 - (3) 'मैला आँचल' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिये।
 - (4) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'महाभोज' का मूल्यांकन कीजिये।
3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर लगभग 15-20 पंक्तियों में दीजिये : 5×4=20
- (1) 'नारद की वीणा' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिये।
 - (2) 'शंकर शेष प्रयोगधर्म' नाटककार हैं : साष्ट कीजिये।
 - (3) 'तमस' में वर्णित साम्प्रदायिक समस्य पर प्रकाश डालिये।
 - (4) भगवतीवरण वर्मा के औपन्यासिक शिल्प का वैशिष्ट्य क्या है ?
 - (5) 'रूपक रहस्य' की विषय-वस्तु की समीक्षा कीजिये।
 - (6) रसवादी समीक्षक के रूप में डॉ. नगेन्द्र के योगदान को निरूपित कीजिये।
 - (7) उग्र की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिये।
 - (8) अज्ञेय की कहानी कला की विशेषताएँ लिखिये।
 - (9) अमृत राय ने त्रेमचन्द्र के व्यक्तित्व को किस प्रकार चित्रित किया है ?
 - (10) 'नीड का निर्माण फिर' का भाषा वैशिष्ट्य निरूपित कीजिये।
4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशानुसार दीजिये : 20×1=20
- (1) 'महाभोज' की कथा किस गाँव पर केन्द्रित है ?
 - (i) मेरीगंज
 - (ii) पूर्णिमा
 - (iii) सरोहा
 - (2) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने कुल कितनी कहानियाँ लिखी थीं ?
 - (i) चार
 - (ii) तीन
 - (iii) पाँच
 - (3) 'दस्' द्वार से रोपान तक' किस विधा की रचना है ?
 - (i) आत्मकथा
 - (ii) जीवनी
 - (iii) संस्मरण
 - (4) 'कविता क्या है' एक लघु निबंध है। (कथन सत्य/असत्य)
 - (5) 'दिल्ली में एक गीत' — किसकी कृति है ?
 - (6) गजाधर बाबू किस विभाग में नौकरी करते थे ?
 - (i) शिक्षा
 - (ii) बैंक
 - (iii) रेलवे
 - (7) 'मैला आँचल' का प्रकाशन वर्ष है :
 - (i) 1954
 - (ii) 1948
 - (iii) 1960

- (8) 'पत्नी' कहानी की नायिका कौन है ?
- (9) सुमरितदास को मेरीगंज के लोग किस नाम से जानते हैं ?
- (10) 'तुम चन्दन हम पानी' किस विधा की रचना है ?
- (11) 'रस आखेटक' के रचनाकार हैं :
- (i) डॉ. नगेन्द्र (ii) कुबेरनाथ राय (iii) विद्यानिवास मिश्र
- (12) आपातकाल को विषय बनाकर लिखा गया उपन्यास है :
- (i) मैला आँचल (ii) महाभोज (iii) गोदान
- (13) 'आस्था के चरण' के रचनाकार कौन हैं ?
- (14) 'महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है' कथन है :
- (i) चन्द्रगुप्त (ii) दाण्डयायन (iii) चाणक्य
- (15) 'गद्य कुसुमावली' के लेखक हैं :
- (i) डॉ. नगेन्द्र (ii) डॉ. श्यामसुन्दर दास (iii) डॉ. रामविलास शर्मा
- (16) 'प्रगति और परम्परा' डॉ. रामविलास शर्मा का प्रमुख निबंध संग्रह है। (कथन सत्य/असत्य)
- (17) इनमें से कौनसा लक्ष्मीनारायण मिश्र का नाटक नहीं है ?
- (i) सन्यासी (ii) मुक्ति का रहस्य
- (iii) ध्रुवखामिनी (iv) सिन्दूर की होली
- (18) 'आधे अधूरे' में पुरुष-एक की भूमिका में कौन है ?
- (19) 'वापिसी' अकेलेपन की पीड़ा की कहानी है। (कथन सत्य/असत्य)
- (20) कालीचरण किस पार्टी का नेता है ?

